

Padma Shri



SMT. BHIMAVVA DODDABALAPPA SHILLIEKYATARA

Smt. Bhimavva Doddabalappa Shilliekyatara is an international puppet artist of Moranahalli village, Koppal taluk, Koppal district. She belongs to a Scheduled Caste Nomadic Tribe and has made puppetry as a clan craft and has made significant achievements in art.

2. Born on 1st June, 1929, Smt. Shilliekyatara gained international fame in puppetry. She has performed leather puppetry in many countries including America, Switzerland, Japan, Germany, Italy, France, Saudi Arabia, Paris, Tayron and Dubai. She has been appreciated by foreigners and has given significant contribution by performing leather puppetry in thousands of cultural programs of Karnataka Government. She has been performing leather puppetry for seven decades and preserving the art culture heritage of Karnataka. She has performed 18 Parvas of Mahabharata including the most legendary story Ramayana, Mahabharata, Virata Parva, Kurukshetra, Lavakusa Kalaga, Daupadi Vastrabarana, Adiparva, Sarpaparva and the current events through puppetry. She is still training her children and grandchildren in leather puppetry training camp and her family, the Government and many organizations have given her many honors in recognition of her service.

3. Smt. Shilliekyatara has given her performance in Hampi Utsav, Anegundi Utsav, Kanakagiri Utsav, Mysore Dussehra Utsav, Koppal District Utsav, Darwada Utsav, Lakkundi Utsav, Horanadu Utsav, 87th All India Kannada Literature Conference, Bangalore Utsav, Kittoor Utsav, Belavadi Mallamma Utsav, Sangolli Rayanna Utsav, Performing Arts Study Utsav, Gombe Heritage Utsav, Folk Fair, Janpara Utsav. She has succeeded in upholding the art, culture and heritage of the country by performing leather puppetry in the Suggy Huggy Utsav, a program sponsored by the Kannada Culture Department and thousands of other government and association cultural programs.

4. Smt. Shilliekyatara is the recipient of several awards and honors for her contributions to performing puppetry such as 1992 Teran Country International Gombe Utsav Award, 2004-2005 janapada Yakshagana Award, Performing Arts Study Award, 2014 Karnataka Rajyotsav Award, 2021-22 Janapadashree Award, Bayalata Academy Award, Senior Citizen Special Award, All India Kannada Sahitya Sammelna Award, Hampi Utsav Award and Anegundi Utsav Award, Gombe. The Government of Karnataka honored with Heritage Festival Award, Mysore Dasara Festival Award, Darwada Festival Award, Koppal District Rajyotsava Award, Belavadimalamma Award, Kittoru Festival Award.



श्रीमती भीमव्वा डोड्डाबलप्पा शिल्लेक्यतारा

श्रीमती भीमव्वा डोड्डाबलप्पा शिल्लेक्यतारा कोप्पल जिले के कोप्पल तालुकास्थित मोरनहल्ली गांव की एक अंतरराष्ट्रीय कठपुतली कलाकार हैं। वह एक अनुसूचित जाति की घुमंतू जनजाति से ताल्लुक रखती हैं और उन्होंने कठपुतली कला को एक कबीलाई कौशल का रूप दिया है और इस कला में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।

2. 1 जून, 1929 को जन्मी, श्रीमती शिल्लेक्यतारा ने कठपुतली कला में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की। उन्होंने अमेरिका, स्विट्जरलैंड, जापान, जर्मनी, इटली, फ्रांस, सऊदी अरब, पेरिस, तेहरान और दुबई सहित कई देशों में चमड़े की कठपुतली कला का प्रदर्शन किया है। विदेशियों द्वारा इसको बहुत सराहा गया है और उन्होंने कर्नाटक सरकार के हजारों सांस्कृतिक कार्यक्रमों में चमड़े की कठपुतली कला का प्रदर्शन करके महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वह सात दशकों से चमड़े की कठपुतली कला का प्रदर्शन कर रही हैं और कर्नाटक की कला संस्कृति की विरासत को संरक्षित कर रही हैं। उन्होंने महाभारत के 18 पर्वों का प्रदर्शन किया है, जिनमें सबसे प्रसिद्ध रामायण, महाभारत, विराट पर्व, कुरुक्षेत्र, लवकुश काल, दौपदी वस्त्रहरण, आदिपर्व, सर्पपर्व और समसामयिक घटनाओं का प्रदर्शन कठपुतली कला के माध्यम से किया गया है। वह अभी भी अपने बच्चों और नाती-नातिनों को चमड़े की कठपुतली कला के प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षित कर रही हैं और उनके परिवार, सरकार तथा कई संगठनों ने उनकी सेवा का सम्मान करते हुए उन्हें कई सम्मान दिए हैं।

3. श्रीमती शिल्लेक्यतारा ने हम्पी उत्सव, अनेगुंडी उत्सव, कनकगिरी उत्सव, मैसूर दशहरा उत्सव, कोप्पल जिला उत्सव, दरवाड़ा उत्सव, लक्कुंडी उत्सव, होरानाडु उत्सव, 87वें अखिल भारतीय कन्नड़ साहित्य सम्मेलन, बेंगलूर उत्सव, किट्टूर उत्सव, बेलवाडी मल्लम्मा उत्सव, सांगोली रायन्ना उत्सव, प्रदर्शन कला अध्ययन उत्सव, गोम्बे हेरिटेज उत्सव, लोक उत्सव, जनपाड़ा उत्सव में अपनी प्रस्तुति दी है। उन्होंने कन्नड़ संस्कृति विभाग द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम सुग्गी हुग्गी उत्सव और हजारों अन्य सरकारी तथा एसोसिएशन के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में चमड़े की कठपुतली कला का प्रदर्शन करके देश की कला, संस्कृति और विरासत को कायम रखने में सफलता हासिल की है।

4. श्रीमती शिल्लेक्यतारा को कठपुतली प्रदर्शन में उनके योगदान के लिए कई पुरस्कारों और सम्मानों से नवाजा गया है, जैसे कि वर्ष 1992 तेरान कंट्री इंटरनेशनल गोम्बे उत्सव पुरस्कार, वर्ष 2004-2005 जनपद यक्षगान पुरस्कार, प्रदर्शन कला अध्ययन पुरस्कार, वर्ष 2014 कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार, वर्ष 2021-22 जनपदश्री पुरस्कार, बयालता अकादमी पुरस्कार, वरिष्ठ नागरिक विशेष पुरस्कार, अखिल भारतीय कन्नड़ साहित्य सम्मेलन पुरस्कार, हम्पी उत्सव पुरस्कार और अनेगुंडी उत्सव पुरस्कार, गोम्बे। कर्नाटक सरकार ने हेरिटेज फेस्टिवल अवार्ड, मैसूर दशहरा फेस्टिवल अवार्ड, दरवाड़ा फेस्टिवल अवार्ड, कोप्पल जिला राज्योत्सव अवार्ड, बेलवाडिमलम्मा अवार्ड, कित्तोरु फेस्टिवल अवार्ड से सम्मानित किया।